विद्या भवन ,बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

वर्ग -अष्टम्

विषय -हिंदी

|| अध्ययन -सामग्री ||

व्याकरण -:

व्याकरण क्या है?

-व्याकरण उस शास्त्र को कहा जाता है जिसमें भाषा के शुद्ध करने वाले नियम बताए गए हो । किसी भी भाषा के अंग प्रत्यंग का विश्लेषण तथा विवेचन व्याकरण कहलाता है ।

व्याकरण वे विद्या है जिसके द्वारा हम किसी भाषा को शुद्ध बोला पड़ा और शुद्ध लिखा जा सकता है। किसी भी भाषा के पढ़ने लिखने और बोलने के निश्चित नियम होते हैं उन्हें ही व्याकरण कहा जाता है।

यानी कि व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा भाषा का शुद्ध मानक रूप निर्धारित किया जाता है।

व्याकरण के कितने भेद होते हैं?

दोस्तों व्याकरण किसे कहते हैं? व्याकरण की क्या परिभाषा होती है ?यह तो आपने ऊपर जान लिया। अब व्याकरण के कितने भेद होते हैं ?अब हम इस पर थोड़ी सी चर्चा कर लेते हैं।

व्याकरण के कितने अंग होते हैं -

दोस्तों व्याकरण किसे कहते हैं? व्याकरण की परिभाषा क्या? यह तो आपने ऊपर जान लिया अब हम बात करेंगे कि व्याकरण के कितने अंग होते हैं यानी व्याकरण को कितने भाग में बांटा गया है। व्याकरण के विभाग कौन-कौन से होते हैं?

तो आइए दोस्तों जान लेते हैं व्याकरण के अंग कौन कौन से हैं।

– व्याकरण हमें भाषा के बारे में ज्ञान कराता है। व्याकरण के तीन अंग होते हैं जो कि निम्नलिखित है।

व्याकरण के अंग

दोस्तों जैसे कि हमने आपको बता ही दिया कि व्याकरण के तीन अंग होते हैं जो हमने नीचे लिख रखे हैं ।आइए जानते हैं वह कौन-कौन से अंग है?

ध्वनि विचार।

पद विचार।

वाक्य विचार।

-व्याकरण के कितने भेद होते है

तो दोस्तों अब हम जानेंगे कि व्याकरण के कितने भेद होते हैं तथा वो कौन-कौन से होते हैं?

चलिए दोस्तों जान लेते हैं कि व्याकरण के कितने भेद होते हैं।

– व्याकरण के मुख्य रूप से पांच भेद होते हैं जो कि नीचे हम आपको बता रहे हैं।

व्याकरण के पांच भेद कौन-कौन से हैं?

वर्ण विचार।

शब्द विचार।

वाक्य विचार।

चिह्न विचार।

छंद विचार।

दोस्तों अब हम यात्रा इनकी वेदों के बारे में एक-एक करके पूरी डिटेल से जानेंगे की व्याकरण के भेद कहां-कहां वे कैसे कैसे काम में लिया जाता है तो आइए दोस्तों जान लेते हैं व्याकरण के एक-एक भेद को।

वर्ण विचार:-

जब हम किसी शब्द के वर्ण पर विचार करते हैं तो उसे वर्ण विचार के अंतर्गत आता है।

जैसे कि अगर हम कमल शब्द पर विचार करें तो इसमें निम्नलिखित वर्ण है ।

जैसे क +अ +म+अ+ल+अ

इस तरीके से यह वर्ण मिलकर कमल शब्द बनाते हैं इसलिए उसे वर्ण विचार के नाम से जाना जाता है।

शब्द विचार:-

जब हम बहुत सारे वर्ण को मिला देते हैं तो शब्द बनता है और उसे हम शब्द विचार के नाम से जानते हैं यानी कि वह शब्द विचार कहलाता है।

जब हम वाक्य में प्रयुक्त शब्दों का अवलोकन करता है तो हम शब्द विचार के अंतर्गत आते हैं।

जैसे गन , यह विदेश से आया है इसलिए यह विदेशी शब्द है।

वाक्य विचार:-

व्याकरण की जिस शाखा के अंतर्गत हम वाक्य पर विचार करते हैं वह वाक्य विचार कहलाता है।

जैसे हम निम्नलिखित वाक्यों पर विचार करते है

राम कहां है , तो दोस्तों हम इस वाक्य द्वारा प्रश्न पूछ रहे हैं कि राम कहां है अतः यह प्रश्नवाचक वाक्य है।

चिन्ह विचार:-

व्याकरण की चेन विचार शाखा के अंतर्गत जब हम वाक्य में आने वाले चिन्हों के बारे में विचार करते हैं तो उसे चीन विचार व्याकरण के नाम से जाना जाता है।

जैसे कि राम कहां है, यह एक प्रश्नवाचक वाक्य है अतः यह अंत में प्रश्नवाचक चीन का प्रयोग करेंगे।

इसके अलावा जैसे कि मैं खा रहा हूं।,यह एक पूर्ण वाचक वाक्य है। इसलिए इसके अंत में पुरण वाचक चिन का प्रयोग करेंगे।

छंद विचार:-

हम व्याकरण में छंद विचार के अंतर्गत वाक्य में प्रयुक्त छंदों के बारे में पढ़ते हैं उसे छंद विचार के नाम से जाना जाता है यानी कि वह छंद विचार के लाता है।

जैसे कि तरुणी तमल तट तेज ही।, इसमें अनुप्रास अलंकार है। चंद का उद्देश्य वाक्य को आकर्षक सुरीला और आनंददायक बनाना होता है।